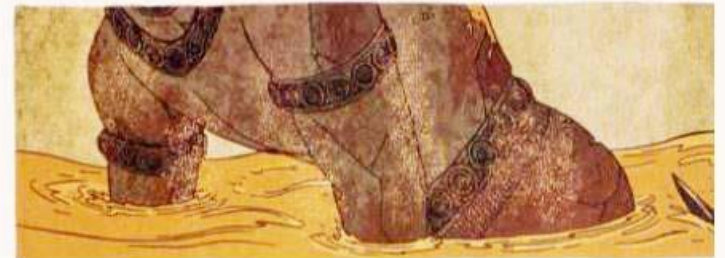
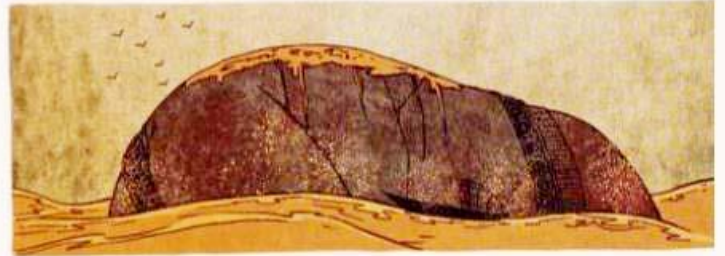
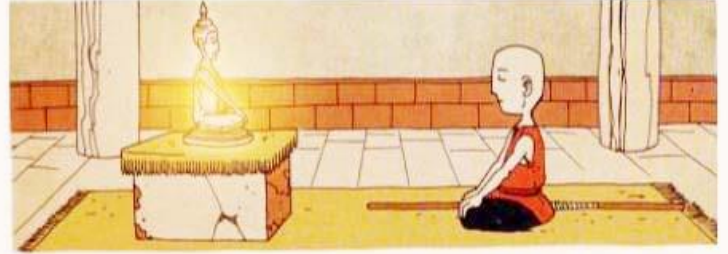


हम सभी इंसान हैं - दलाई लामा



जब मैं दुनिया के
अलग-अलग हिस्सों
में लोगों से मिलता
हूँ...



हम सभी
इंसान हैं.



शायद हमारे कपड़े
अलग-अलग हों...



...तो वो मुझे हमेशा
याद दिलाता है कि
हम सभी मूलतः
एक-जैसे हैं.



या हमारी त्वचा का
रंग अलग हो ...



...या फिर हम
अलग-अलग भाषाएँ
बोलते हों.

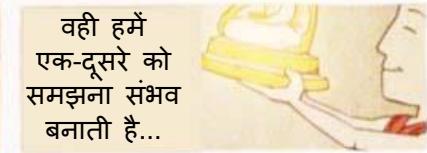




लेकिन
बुनियादी
तौर पर
हम एक ही
इंसान हैं



यही वो
बात है जो
हमें एक-
दूसरे से
बांधती है



वही हमें
एक-दूसरे को
समझना संभव
बनाती है...

...और उससे ही मित्रता और
निकटता विकसित होती है.

- तेनज़िन ग्यात्सो,
14वें दलाई लामा

